

Date: 15-04-2026

**To
BSE Limited
Listing Department
P.J Tower, Dalal Street
Mumbai - 400001**

Stock Symbol -540047

**To
National Stock Exchange of India Ltd.
Exchange Plaza, C-1, Block G
Bandra Kurla Complex,
Bandra (E), Mumbai - 400051**

Stock Symbol -DBL

Sub: Copy of the Newspaper Advertisement Pursuant to Regulation 30 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015

Dear Sir/Madam,

In pursuance to Regulation 30 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, please find enclosed herewith the copy of the Newspaper advertisement published in Business Standard Newspaper (English and Hindi) on April 15, 2026. Further, the said information is also available on the Company website at www.dilipbuildcon.com

We request you to take the above on record.

Thanking you

For Dilip Buildcon Limited

**Abhishek Shrivastava
Company Secretary
Encl a.a.**



ISO 9001:2015

CIN No. L45201MP2006PLC018689

Regd. Office :

Plot No. 5, Inside Govind Narayan Singh Gate,
Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal - 462 016 (M.P.)
Ph. : 0755-4029999, Fax : 0755-4029998

E-mail : db@dilipbuildcon.co.in, Website : www.dilipbuildcon.com

मार्जिन ट्रेडिंग में दूसरे महीने नरमी

खुराबू तिवारी
मुंबई, 14 अप्रैल

मार्जिन ट्रेडिंग फ़ैसिलिटी (एमटीएफ) खातों में मार्च में लगातार दूसरे महीने फिर से गिरावट आई। इसकी वजह बाजार में बढ़ती अस्थिरता और सतर्क मनोबल के बीच निवेशकों का लिक्विडिटी पोजिशन घटाना रहा।

स्टॉक एक्सचेंजों के आंकड़ों के अनुसार फरवरी में लगभग 2 फीसदी की गिरावट के बाद मार्च में एमटीएफ बुक में मासिक आधार पर करीब 8 फीसदी की गिरावट आई और यह घटकर 1.06 लाख करोड़ रुपये रह गई। हालांकि, अलग-अलग सेगमेंटों में ट्रेडिंग गतिविधियां कम-ज्यादा बनी रहीं।

ताजा नरमी भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने और तेल की कीमतों में उछाल से निवेशकों में घबराहट के बीच आई है जिससे शेयर बाजारों में 11 फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई। बाजार के जानकारों का कहना है कि मार्जिन बुक में आई नरमी जोखिम लेने की प्रवृत्ति में सूक्ष्म बदलाव दर्शाती है, जिसमें ट्रेडर या तो लीवरेज्ड लंबा घंटा रहे हैं या अनिश्चित हालात के बीच नए जोखिम लेने से बच रहे हैं।

एमटीएफ बुक में गिरावट तब भी हुई जब नकदी बाजार का टर्नओवर स्थिर बना रहा। मार्च में रोजाना का



औसत नकदी कारोबार मासिक आधार पर 9 फीसदी बढ़कर 1.34 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एमटीएफ के तहत निवेशकों को ट्रेड वैल्यू का केवल एक हिस्सा ही पहले देना होता है, बाकी रकम ब्रोकर ब्याज पर देते हैं। हालांकि पिछले कुछ महीनों में इसमें कुछ नरमी देखने को मिली है, लेकिन सालाना आधार पर एमटीएफ खातों में काफी बढ़ोतरी हुई है और यह मार्च 2025 के 68,000 करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च 2026 में 1.05 लाख करोड़

रुपये हो गई है, जो खुदरा निवेशकों की लगातार भागीदारी दर्शाती है। उद्योग के कुछ दिग्गजों ने बढ़ते लिक्विडिटी से जुड़े जोखिमों की ओर इशारा किया है। केयरएज रेंटिंग्स ने एमटीएफ पर अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा है, आगे चलकर निवेशकों की लगातार भागीदारी और नियामकीय बदलावों को धीरे-धीरे अपनाने से एमटीएफ सेगमेंट और बाजार के कुल कारोबार में स्थिर वृद्धि को सहारा मिल सकता है। लेकिन पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव जोखिम का

मार्जिन ट्रेडिंग सुविधा

■ एमटीएफ में निवेशकों को ट्रेड वैल्यू का केवल एक हिस्सा ही पहले से चुकाने की सुविधा मिलती है, बाकी रकम ब्रोकर ब्याज के बदले देते हैं

■ एमटीएफ बुक में गिरावट तब भी हुई जब नकदी बाजार का टर्नओवर स्थिर बना रहा

■ मार्च में रोजाना औसत नकदी कारोबार मासिक आधार पर 9 फीसदी बढ़कर 1.34 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया

■ हालांकि सालाना आधार पर एमटीएफ बुक में काफी बढ़ोतरी हुई है और यह मार्च 2025 के 68,000 करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च 2026 में 1.05 लाख करोड़ रुपये हो गई है

मुख्य कारक बना हुआ है। कच्चे तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकता है और निवेशकों के मनोबल पर असर पड़ सकता है, जिससे लिक्विडिटी वाली पोजिशन और ट्रेडिंग गतिविधियों के प्रति ज्यादा सतर्क रवैया अपनाया जा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जहां एक ओर भारतीय रिजर्व बैंक सिस्टम में पर्याप्त नकदी बनाए हुए है, वहीं दूसरी ओर वैश्विक अनिश्चितताएं जारी रहने के कारण बीच-बीच में

उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, जिससे एमटीएफ खातों और रोज के औसत कारोबार दोनों की वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ सकती है। हाल की नरमी के बावजूद ब्रोकरों का मानना है कि एमटीएफ की मांग अभी भी बनी हुई है। इस सुविधा को काफी अपनाया गया है, खासकर जीरोथा, ग्रो और पेटिएम मनी जैसे डिस्काउंट ब्रोकरों के पास। इन ब्रोकरों ने डेरिवेटिव से होने वाली कमाई पर पड़ रहे दबाव के बीच अपनी कमाई के स्रोतों में विविधता लाने के लिए हाल के वर्षों में एमटीएफ सुविधा शुरू की थी।

एमटीएफ की बकाया राशि अक्टूबर 2025 में 1 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने के बाद से लगातार इस स्तर से ऊपर बनी हुई है, जिससे बाजार में इसकी बढ़ती भूमिका का पता चलता है। मार्च में चढ़ने व गिरने वाले शेयरों का अनुपात गिरकर 0.77 पर आ गया, जो फरवरी 2025 के बाद इसका सबसे निचला स्तर है और मार्च 2020 में देखे गए 0.72 के न्यूनतम स्तर के करीब पहुंच चुका था।

जनवरी में जीरोथा के संस्थापक नितिन कामत ने चेतावनी दी थी कि बाजार में तीव्र गिरावट की स्थिति में लिक्विडिटी वाली पोजिशन को खत्म किया जा सकता है, जिससे अस्थिरता बढ़ सकती है, खास तौर से कम लिक्विडिटी वाले शेयरों में।

बैंकिंग दिग्गजों पर म्युचुअल फंडों का दांव

मार्च महीने में देसी म्युचुअल फंडों ने ब्लू-चिप बैंकिंग शेयरों में जोरदार तरीके से निवेश किया। ऐसा तब हुआ जब विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने रिकॉर्ड स्तर पर बिकवाली की। नुबामा ऑल्टरनेटिव ऐंड क्वांटिटेटिव रिसर्च के एक विश्लेषण के अनुसार इस महीने के दौरान म्युचुअल फंडों द्वारा खरीदे गए पांच अग्रणी शेयर बैंकिंग सेक्टर के थे।

म्युचुअल फंडों ने इन शेयरों में कुल मिलाकर 34,800 करोड़ रुपये का निवेश किया। इसमें सबसे ज्यादा 15,800 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी एचडीएफसी बैंक में हुई, जिसके बाद आईसीआईसीआई बैंक में 6,800 करोड़ रुपये का निवेश किया गया। यह खरीदारी ऐसे समय हुई जब एफपीआई ने वित्तीय शेयरों से करीब 60,000 करोड़ रुपये निकाले, जिसकी वजह पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के कारण पैदा हुआ व्यापक जोखिम का माहौल था।

कुल मिलाकर, एफपीआई ने मार्च में 1.12 लाख करोड़ रुपये के शेयर बेचे। यह अब तक की सबसे बड़ी मासिक निकासी है। इसके विपरीत, देसी फंडों ने इक्विटी में लगभग 90,000 करोड़ रुपये का निवेश किया, जो उनकी दूसरी सबसे बड़ी मासिक खरीदारी है।



बैंकों के अलावा श्रीराम फाइनेंस, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इन्फोसिस और लासॉन एंड टुब्रो जैसे शेयर भी सबसे ज्यादा खरीदे जाने वाले नामों में शामिल रहे। बिकवाली की बात करें तो फंडों ने पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया, ग्रासिम इंडस्ट्रीज और अपोलो हॉस्पिटल्स में निवेश घटाया।

मार्च महीने बैंचमाक निफ्टी में 11 फीसदी की गिरावट आई, जो पिछले छह सालों में उसमें सबसे बड़ी गिरावट है। बैंक निफ्टी इंडेक्स का प्रदर्शन और भी खराब रहा और उसमें 17 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इस

महीने अब तक बैंक निफ्टी इंडेक्स में करीब 10 फीसदी की बढ़त देखने को मिली है। मार्च में इक्विटी आधारित फंड योजनाओं के नए निवेश में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई और शुद्ध निवेश आठ महीने के उच्चतम स्तर 40,450 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

प्राइवेट सेक्टर के बड़े बैंक, फंडों और एफपीआई दोनों के पोर्टफोलियो की मुख्य होल्डिंग्स होते हैं क्योंकि ये बड़े और लिक्विड नाम हैं। विशेषज्ञों ने कहा, चूंकि घरेलू नकदी मजबूत बनी रही। इसलिए फंड मैनेजर्स ने इस मौके का फायदा उठाकर अपेक्षाकृत आकर्षक मूल्यांकन पर सेक्टर के दिग्गजों में अपना निवेश बढ़ाया। सभी मोडक

देसी फंड मैनेजर्स ने की खरीदारी

	शुद्ध निवेश (करोड़ रु.)	शुद्ध निकासी (करोड़ रु.)
एचडीएफसी बैंक	15,800	पावर ग्रिड-1,100
आईसीआईसीआई बैंक	6,800	ग्रासिम-1,000
एसबीआई	4,800	अपोलो हॉस्पिटल्स-800
कोटक बैंक	3,800	जीई वनॉवा-700
एक्सिस बैंक	3,600	नालको-700

स्रोत : नुबामा ऑल्टरनेटिव ऐंड क्वांटिटेटिव रिसर्च

बीएनपी पारिबा ने निफ्टी का लक्ष्य 11 फीसदी घटाया

बीएस संवाददाता
मुंबई, 14 अप्रैल

बीएनपी पारिबा ने पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनावों से पैदा कई आर्थिक चुनौतियों का हवाला देते हुए 2026 के लिए निफ्टी का अपना लक्ष्य 11 फीसदी घटाकर 25,500 कर दिया है। सोमवार को निफ्टी 23,843 पर बंद हुआ। हालांकि मूल्यांकन लंबी अवधि के औसत के करीब आ गए हैं। फिर भी बीएनपी पारिबा को मौजूदा स्तर से सिर्फ 7 फीसदी की मामूली बढ़त की उम्मीद है जो 2026 के काफी समय के लिए ज्यादा नरम नजरिये दिखाता है। ब्रोकरेज ने 2027 की अनुमानित कमाई को 18.2 मल्टीपल के साथ यह लक्ष्य तय किया है, जो 10 साल के औसत 18.6 मल्टीपल से कम है।

कमाई की कमजोर संभावनाएं, विदेशी निवेशकों के निवेश में सुस्ती और ऊर्जा की ऊंची कीमतों के कारण बढ़ते आर्थिक जोखिम आदि कारकों को इस बदलाव में शामिल किया गया है। बीएनपी पारिबा ने कहा है कि कच्चे तेल की कीमतों में हालिया उछाल का असर भारत के चालू खाते, राजकोषीय स्थिति और महंगाई की राह पर पड़ने की आशंका है, जिससे खपत और विकास की गति धीमी पड़ सकती है।

2025 में औसतन 69 डॉलर प्रति बैरल रहने के बाद ईरान-अमेरिका युद्ध के बीच ब्रेंट क्रूड की कीमतें 100 डॉलर के आसपास बनी हुई हैं। बीएनपी पारिबा ने चेतावनी दी है कि तेल की कीमतें बढ़ने से भारत का चालू खाते का घाटा (सीएडी) बढ़ सकता है। तेल की कीमत में हर 10 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी से यह घाटा लगभग 35 आधार अंक तक बढ़ सकता है। देश



लक्ष्य में कटौती

■ ब्रोकरेज ने 2026 के लिए निफ्टी का लक्ष्य घटाकर 25,500 कर दिया

■ कमाई की कमजोर संभावनाएं, विदेशी निवेशकों के निवेश में सुस्ती और ऊर्जा की ऊंची कीमतों के कारण बढ़ते आर्थिक जोखिम आदि कारकों को इस बदलाव में शामिल किया गया है

■ रिपोर्ट में कुछ उभरती ढांचागत चिंताओं का भी जिक्र। इनमें आईटी सेवाओं में धीमी वृद्धि और रोजगार तथा विवेकाधीन उपभोग पर एआई का उलटफेर वाला प्रभाव शामिल है

■ ब्रोकरेज ने ऑटो, सीमेंट और इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को लेकर अपना नजरिया नकारात्मक कर दिया है

की राजकोषीय स्थिति पर भी दबाव पड़ सकता है क्योंकि ईंधन कर में संभावित कटौती से सरकार को राजस्व का भारी नुकसान हो सकता है।

रिपोर्ट में कुछ उभरती ढांचागत चिंताओं का भी जिक्र किया गया है। इनमें आईटी सेवाओं में धीमी वृद्धि और रोजगार तथा विवेकाधीन उपभोग पर एआई का उलटफेर वाला प्रभाव शामिल है। ब्रोकरेज ने कहा, हालांकि हाल के आर्थिक संकेतक मजबूत बने हुए हैं, जिन्हें कर में कटौती जैसे पहले के नीतिगत उपायों से समर्थन मिला है। फिर भी उनमें ऊर्जा की बढ़ती लागत और आयतित महंगाई का असर पूरी तरह से अभी नहीं दिखा है।

बीएनपी ने कहा है, ऐतिहासिक रुझान बताते हैं

कि तेल की कीमतों में अचानक उछाल से आमतौर पर ज्यादातर सेक्टरों में कमाई के अनुमानों में कटौती होती है और कीमतों में उछाल की अवधि के आधार पर इसका असर कई तिमाहियों तक रहता है।

बीएनपी पारिबा में इंडिया इक्विटी रिसर्च के प्रमुख कुणाल वोरा ने एक नोट में कहा, 2008, 2011 और 2022 में तेल की कीमतों में अचानक उछाल के तीन दौर के हमारे विश्लेषण से पता चलता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर न केवल तेल की बढ़ती कीमतों का असर पड़ता है बल्कि इस असर की तीव्रता सीधे तौर पर तेल के झटके की अवधि के अनुपात में होती है। 2008 और 2022 में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ीं और

फिर जल्दी ही स्थिर हो गईं। इसलिए भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका असर अपेक्षाकृत कम समय तक रहा। जबकि 2011-2013 में इसका बुरा असर ज्यादा समय तक बना रहा क्योंकि तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रहीं। तेल की ऊंची कीमतों का लंबा दौर, ऊंची महंगाई और बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी के लंबे दौर में बदल जाता है, जिसका असर आर्थिक संकेतकों पर पड़ता है। बॉन्ड यील्ड अब 7 फीसदी की ओर बढ़ रही है। इनका इक्विटी मूल्यांकन पर भी असर आ रहा है। हालिया गिरावट के बावजूद यह मल्टीपल विस्तार की गुंजाइश को सीमित कर रही है। बीएनपी ने बताया है कि ऊंचे मूल्यांकन, वैश्विक एआई आधारित तेजी में भागीदारी की कमी और बिगडूती आर्थिक स्थितियों की चिंताओं के बीच भारतीय इक्विटी के प्रति विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का रुझान कमजोर हुआ है।

बीएनपी पारिबा ने अपने सेक्टर के रुख को लेकर रक्षात्मक है। उसने उन सेगमेंट्स को प्राथमिकता दी है, जो कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के मुकाबले ज्यादा मजबूत हैं। उसकी पसंद कंप्यूटर स्टोरेज, टेलेकॉम, यूटिलिटीज और प्राइवेट सेक्टर के बैंक हैं। उसने इस पसंद की वजह उनकी प्राइसिंग पावर और कमाई में स्थिरता बताई है। आईटी सर्विसेज कंपनियों भी बड़ी गिरावट और मुद्रा से मिले फ्रायदे के बाद उसकी पसंदीदा सूची में शामिल हो गईं हैं।

दूसरी ओर, ब्रोकरेज ने ऑटो, सीमेंट और इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को लेकर अपना नजरिया नकारात्मक कर दिया है क्योंकि इनपुट लागत में बढ़ोतरी और सरकारी पूंजीगत खर्च में संभावित कटौती से इन सेक्टरों के मुनाफे और मांग पर बुरा असर पड़ सकता है।

दमदार रह सकती है सीमेंट कंपनियों की बिक्री

प्राची पिसाल
मुंबई, 14 अप्रैल

निर्माण गतिविधियों में तेजी और सरकारी पूंजीगत व्यय के कारण अग्रणी सीमेंट कंपनियां वित्त वर्ष 2026 की मार्च तिमाही (वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही) में बिक्री वॉल्यूम में अच्छी वृद्धि दर्ज कर सकती हैं। विश्लेषकों का कहना है कि ईंधन और पैकेजिंग की बढ़ती लागत के कारण मुनाफे पर दबाव की संभावना है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के विश्लेषकों का अनुमान है कि उनके सीमेंट कवरेज में शामिल कंपनियों राजस्व में सालाना आधार पर करीब 10 फीसदी की वृद्धि और एबिटा में 4 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी दर्ज करेंगी। वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में कर-परचात लाभ में लगभग 1 फीसदी की गिरावट आ सकती है।

परियोजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन और निर्माण गतिविधियों में तेजी के कारण सीमेंट के कुल वॉल्यूम में करीब 9 फीसदी की बढ़ोतरी का अनुमान है और यह बढ़कर 12.6 करोड़ टन पर पहुंच सकता है। तिमाही के दौरान घरेलू सीमेंट की मांग मजबूत बनी रही, हालांकि पश्चिम-एशिया में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण इनपुट लागत में बढ़ोतरी से मुनाफे पर दबाव पड़ा।

मिरे ऐसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अक्षय शेठरी ने बताया कि



लेकिन ज्यादा इनपुट लागत का मार्जिन पर असर पड़ सकता है

जनवरी में भारत में कीमतें लगभग 7 से 10 रुपये प्रति कट्टा, फरवरी में 2 से 3 रुपये प्रति कट्टा और मार्च में 4 से 5 रुपये प्रति कट्टा बढ़ी है। इसका मतलब है कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में सालाना आधार पर बिक्री से मिलने वाली रकम में 1 से 3 फीसदी तक सुधार की उम्मीद है।

कोटक इंस्ट्रुमेंट्स इक्विटीज के विश्लेषकों का अनुमान है कि वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में पूरे भारत में औसत कीमतें (जीएसटी में बदलावों के हिसाब से समायोजित) पिछली तिमाही के मुकाबले करीब 1.5 फीसदी और सालाना आधार पर 0.9 फीसदी बढ़ीं। इसकी मुख्य वजह खासकर दक्षिणी बाजारों के नॉन-ट्रेड सेगमेंट में हुआ सुधार था। क्रिसिल रेंटिंस के नदेशक आनंद कुलकर्णी के अनुसार वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में सीमेंट कंपनियों के मुनाफे में बढ़ोतरी की उम्मीद है, जिसका मुख्य कारण

मजबूत मांग और बेहतर कीमतें हैं।

मार्जिन पर पश्चिम एशिया के युद्ध का असर

बेहतर वॉल्यूम और कीमतों के बावजूद एमटीएफ में मार्जिन में बढ़ोतरी सीमित रह सकती है। इसका कारण पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के चलते ऊर्जा और पैकेजिंग लागत में इजाजा है। पश्चिम एशिया संकट के कारण सीमेंट कंपनियों के शेयरों की कीमतों में 11 से 23 फीसदी की गिरावट आई है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज का अनुमान है कि प्रति टन एबिटा सालाना आधार पर 6 फीसदी घटकर लगभग 950 रुपये रह जाएगा। लेकिन परिचालन लाभ के कारण इसके तिमाही आधार पर करीब 15 फीसदी बढ़ने का अनुमान है। औसत एबिटा मार्जिन (ग्रासिम को छोड़कर) सालाना आधार पर 1.2 फीसदी

घटकर करीब 18 प्रतिशत रहने की उम्मीद है।

तिमाही के दौरान आयातित ईंधन की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने बताया कि मार्च 2026 में आयातित पेटकोक और कोयले की औसत कीमतों में मासिक आधार पर 15 से 20 फीसदी की वृद्धि हुई जबकि पॉलीप्रोपिलीन बैग की कीमतों में 35 से 45 फीसदी की उछाल आई, जिससे पैकेजिंग की लागत बढ़ गई।

जेएम फाइनेंशियल के विश्लेषकों का अनुमान है कि मार्च 2026 में अमेरिकी कॉस्ट ऐंड फ्रेट (सीएफआर) पेटकोक की कीमतें बढ़कर लगभग 142 डॉलर प्रति टन हो गईं, जो मार्च 2023 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। इसका मतलब है कि लागत में संभावित रूप से 200 से 220 रुपये प्रति टन की वृद्धि हो सकती है। इस बीच, येस सिक्वोरिटीज के विश्लेषकों ने बताया कि कंपनियों आम तौर पर करीब 45 दिनों का ईंधन स्टॉक रखती हैं, जिससे ऊर्जा की बढ़ती लागत का चौथी तिमाही के मुनाफे पर तत्काल असर सीमित रह सकता है। इसका पूरा असर वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही से दिखने की संभावना है।

कुलकर्णी ने कहा कि चौथी तिमाही की कमाई पर पेटकोक और कोयले की बढ़ी हुई कीमतों का असर मध्यम रहने की संभावना है, क्योंकि कंपनियों कम लागत वाली इन्वेंट्री का इस्तेमाल कर रही हैं। हालांकि, बिजली और ईंधन की

लागत उत्पादन लागत का करीब 30 फीसदी होती है, जिससे अगर कीमतें ऊंची बनी रहती हैं तो यह बड़ा जोखिम बन जाती है।

संभावना है कि इस तिमाही में बड़े सीमेंट निर्माता वॉल्यूम वृद्धि के मामले में उद्योग के औसत से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। जेएम फाइनेंशियल का अनुमान है कि उसके कवरेज में शामिल सीमेंट निर्माताओं का वॉल्यूम सालाना आधार पर करीब 9 फीसदी बढ़ेगा। इनमें अल्ट्राटेक सीमेंट, श्री सीमेंट और जेके सीमेंट के दो अंकों में वृद्धि दर्ज करने की संभावना है। अंबुजा सीमेंट्स करीब 9 फीसदी की वृद्धि दर्ज कर सकती है जबकि डालमिया भारत और जेएसडब्ल्यू सीमेंट 5 से 6 फीसदी की बढ़ोतरी दिखा सकती हैं। इसके विपरीत, रामको सीमेंट्स और बिड़ला कॉर्पोरेशन के 2 से 4 फीसदी की वृद्धि के साथ पीछे रहने की संभावना है।

एबिटे कैपिटल के विश्लेषकों का अनुमान है कि इस तिमाही के दौरान अल्ट्राटेक सीमेंट की बाजार हिस्सेदारी बढ़ेगी, जबकि श्री सीमेंट और अंबुजा सीमेंट्स को बाजार हिस्सेदारी में कमी के कारण तय लागत समायोजित करने में अपेक्षाकृत कमजोरी का सामना करना पड़ सकता है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज ने कहा कि उद्योग की कंपनियों ने बढ़ती लागत की भरपाई के लिए अप्रैल 2026 में ही प्रति कट्टा करीब 15 से 30 रुपये की बढ़ोतरी शुरू कर दी है।

निजी निवेश के लिए 360 वन को मिली प्रतिबद्धता

360 वन ऐसेट ने अपनी पब्लिक इक्विटी में निजी निवेश (पीआईपीई) रणनीति के लिए 2,000 करोड़ रुपये की प्रतिबद्धताएं हासिल की हैं। ऐसेट मैनेजर ने बताया कि इस रणनीति का मकसद ज्यादा संभावनाओं वाले सूचीबद्ध और बाद के चरण के निवेश के मौकों की पहचान करना है, जिसमें प्राइवेट मार्केट के अनुशासन को पब्लिक मार्केट की लिक्विडिटी के साथ मिलाया जाता है। यह ब्लॉक डील और एंकर प्लेसमेंट के जरिये निवेश करेगा। साथ ही एक अन-इंडेक्स्ड और जुड़ाव-आधारित पोर्टफोलियो दृष्टिकोण बनाए रखेगा। बीएस

आनंद राठी ब्रोकर्स का मुनाफा 2.3 गुना उछलता

आनंद राठी शेयर ऐंड स्टॉक ब्रोकर्स ने वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में अपने मुनाफे में 2.3 गुना बढ़ोतरी दर्ज की और यह बढ़कर 41.6 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। मार्जिन ट्रेडिंग और डिस्ट्रीब्यूशन बिजनेस में हुई बढ़ोतरी ने मुख्य ब्रोकिंग बिजनेस के कमजोर प्रदर्शन की भरपाई करने में मदद की। परिचालन से मिलने वाला राजस्व 28 फीसदी बढ़कर 255.7 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एबिटा 51 फीसदी बढ़कर 110 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बीएस

Alembic
Touching Lives Over 100 Years

एलेम्बिक फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड
CIN: L24230GJ2010PLC061123
पंजीकृत कार्यालय: एलेम्बिक रोड, बडोदरा-390003
Tel.: +91 265 6637000
E-mail: info@alembic.co.in
Website: www.alembicpharmaceuticals.com

सार्वजनिक सूचना

(मूल्य नियंत्रण आदेश, २०१३ के पैराग्राफ २१(२) के अंतर्गत)

सामान्य जन का ध्यान इस तथ्य की ओर आकर्षित किया जाता है कि उपरोक्त पते पर पंजीकृत कार्यालय वाली कंपनी एलेम्बिक फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड जो कि अनुसूचित चिकित्सिकों नामतः **Alcibute (Liposomal Amphotericin B Injection 50 mg) and Richar CR (Ferric Hydroxide in complex with Sucrose equivalent to Elemental Iron 20 mg)** का विपणन करती है। एलेम्बिक फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड उपर्युक्त उत्पाद (दवा) के विपणन को इस नोटिस की तारीख से ६ माह की अवधि के उपरांत बंद करना चाहती है।

उपरोक्त दवा को बंद करने के बाद यह बाजार में उपलब्ध नहीं हो पाएगी। इसलिए ऐसी दवा का उपयोग करने वाले मरीज अपने डॉक्टर से मिलकर वैकल्पिक दवा निर्धारित करवा सकते हैं। सभी डॉक्टर / मेडिकल प्रसन्न भी इस बात का ध्यान रहें।

एलेम्बिक फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड
कंपनी के प्राधिकृत व्यक्ति: साइबल मुखर्जी
निवासी निदेशक

स्थान : बडोदरा
दिनांक : १५ अप्रैल, २०२६

दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड
(सीआईएन: L45201MP2006PLC018689)
पंजीकृत कार्यालय: प्लॉट नंबर 5, गोविंद नारायण सिंह गेट के अंदर, चूना भट्टी, कोलार रोड, भोपाल (म.प्र.)-462016
ईमेल आईडी: db@dilipbuildcon.co.in, वेबसाइट: www.dilipbuildcon.com
दूरभाष. नंबर 0755-4029999, फैक्स नंबर 0755-4029998

पोस्टल बैलट नोटिस दिनांक 01 अप्रैल, 2026 का शुद्धिपत्र

दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड ('कंपनी') ने कंपनी के शेयरधारकों ('सदस्यों') को पोस्टल बैलट नोटिस में सूचीबद्ध प्रस्तावों पर विचार करने और रिमोट इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रक्रिया ('रिमोट वोटिंग / ई-वोटिंग') के माध्यम से पारित करने के लिए पोस्टल बैलट नोटिस दिनांक 01 अप्रैल, 2026 ('पोस्टल बैलट नोटिस') जारी किया है। पोस्टल बैलट नोटिस कंपनी के सदस्यों को 01 अप्रैल, 2026 को पहले ही भेजा जा चुका है। कंपनी ने स्पष्टीकरण विवरण के संबंध में 13 अप्रैल, 2026 को पोस्टल बैलट नोटिस ('शुद्धिपत्र') जारी किया है, जो उपरोक्त पोस्टल बैलट नोटिस के मद संख्या 13 का हिस्सा है। यह शुद्धिपत्र पोस्टल बैलट नोटिस का एक अभिन्न अंग है। सदस्यों और अन्य हितधारकों से अनुरोध है कि वे पोस्टल बैलट नोटिस को इस शुद्धिपत्र के साथ पढ़ें। इस शुद्धिपत्र में स्पष्ट, संशोधित या पूरक को छोड़कर, पोस्टल बैलट नोटिस की अन्य सभी सामग्री अपरिवर्तित रहेगी। शुद्धिपत्र और पोस्टल बैलट नोटिस कंपनी की वेबसाइट www.dilipbuildcon.com, स्टॉक एक्सचेंजों की वेबसाइट यानी www.bseindia.com और www.nseindia.com और ई-वोटिंग सेवा प्रदाता यानी एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की वेबसाइट यानी www.in.mpms.mufg.com पर उपलब्ध होगा। यह ध्यान दें कि पोस्टल बैलट नोटिस का शुद्धिपत्र उन सभी शेयरधारकों को भेजा जा रहा है, जिन्हें पोस्टल बैलट नोटिस भेजा गया था। सदस्यों से अनुरोध है कि वे पूरी जानकारी के लिए शुद्धिपत्र नोटिस देखें।

दिलीप बिल्डकॉन लिमिटेड के लिए
हस्ता./-
दिनांक: 13.04.2026
स्थान: भोपाल
अभिषेक श्रीवास्तव
कंपनी सचिव

Coforge | Coforge Limited
 CIN: L72100HR1992PLC128382
 Regd Office: Plot No. 13, Udyog Vihar, Phase-IV, Sector-18, Palam Road, Gurugram - 122015, Haryana, India. Ph: 0124-4627837
 Email: investors@coforge.com Website: www.coforge.com

NOTICE OF LOSS OF SHARE CERTIFICATE

Notice is hereby given that the following share certificate issued by the Company is reported lost/misplaced by the shareholder. The shareholder thereof has applied to the Company for the issuance of Duplicate share certificate:

Name of Share Holder	Folio No.	No. of Shares	Certificate No.	Distinctive Nos.
K Sunil	0000289	168	285	10648437 - 10648604

Any person who has claim in respect of the above shares should communicate the same to the Company at its Registered Office (at above address) within 15 (fifteen) days from the date of this advertisement. The Company shall thereafter process the request as per the prevailing laws. Thereafter any person dealing with such share certificate/s will be doing so solely at his/her own risk as to costs and consequences and the Company shall not be responsible for it in any manner.

For and on behalf of
Coforge Limited
 Sd/-
Barkha Sharma
 Company Secretary

Dated : April 14, 2026
 Place : Greater Noida

MPS INFOTECNICS LIMITED
 CIN: L30007DL1989PLC131190
 Regd. Off.: 703, Arunachal Building, 19, Barakhamba Road, New Delhi 110001
 Tel.: +91 11 43571043 - 44; Fax: +91 11 43571047
 E-mail: info@mpsinfotec.com; Website: www.mpsinfotec.com

NOTICE OF 34th ANNUAL GENERAL MEETING

NOTICE is hereby given that the 34th Annual General Meeting (AGM) of the Members of the Company will be held on Tuesday, May 12, 2026 at 10:00 A.M. at the Registered Office of the Company at 703, Arunachal Building, 19, Barakhamba Road, Connaught Place, New Delhi - 110001, to transact the business as set out in the Notice convening the AGM.

The electronic copy of the Annual Report for the financial year 2022-23, inter alia containing the Notice of AGM, Annual Report and other documents is available on the website of the Company under the tab Investor Zone, the link to download the Notice and annual report is https://mpsinfotec.com/investors_zone.html. Physical copies will be dispatched to other members at their registered addresses through permitted modes on or before April 16, 2026 or to those who request the same.

NOTICE is further given pursuant to Section 91 of the Companies Act, 2013 and Regulation 42 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015, that the Register of Members and Share Transfer Books of the Company will remain closed from Wednesday, May 6, 2026 to Tuesday, May 12, 2026 (both days inclusive) for the purpose of AGM.

Your Company is unable to provide e-voting facility due to ongoing legal dispute with the Depositories hence e-voting portal is not being provided by the Depositories. Further pursuant to the order dated 9th December 2025 passed by the Hon'ble Delhi High Court in a *Writ Petition bearing No. W.P.(C) 18640/2025 titled MPS Infotecnics Ltd. Vs Securities Exchange Board of India and others*, the matter is pending adjudication before Securities and Exchange Board of India and Ministry of Finance.

Members entitled to attend and vote at the AGM are entitled to appoint a proxy to attend and vote on their behalf. The proxy form, duly completed and signed, must be deposited at the Registered Office of the Company not less than 48 hours before the commencement of the meeting.

Members holding shares in dematerialized form are requested to update their email ID and KYC details with their Depository Participants. Members holding shares in physical form are requested to submit the prescribed forms to the Company's Registrar and Share Transfer Agent, MAS Services Limited, to update their details.

Manner of registering/updating email addresses:

a) Those Shareholders who are holding equity shares in physical mode who have not registered/updated their email addresses, PAN and Banking Details with the Company/RTA are requested to update above said information by writing to the company at info@mpsinfotec.com along with copy of signed request letter mentioning the name and address of shareholder, proof of Bank Details and self-attested copy of PAN/ any other identity and address proof.

b) Those Shareholders, who are holding shares in dematerialized mode and have not registered/updated their email addresses and banking details with their Depository Participant(s), are requested to register/update their email addresses with the relevant Depository Participant(s).

Members are also requested to register their email ID, PAN & bank accounts details with the RTA/Company. Necessary communication in this regard has already been sent separately to members by the company.

For MPS Infotecnics Limited
 Sd/-
Garima Singh
 Company Secretary

Place: New Delhi
 Date: 14th April 2026

Alembic **ALEMBIC PHARMACEUTICALS LIMITED**
 CIN: L24230GJ2010PLC061123
 Regd. Office: Alembic Road, Vadodara - 390 003
 Tel.: +91 265 6637000
 E-mail: info@alembic.co.in
 Website: www.alembicpharmaceuticals.com

PUBLIC NOTICE
 (Under para 21 (2) of Drug Price Control Order 2013)

Attention of general public is drawn to the fact that Alembic Pharmaceuticals Limited having its registered office at aforesaid address is marketing Scheduled formulations namely **Alcibute (Liposomal Amphotericin B Injection 50 mg)** and **Richar CR (Ferric Hydroxide in complex with Sucrose equivalent to Elemental Iron 20 mg)**. Alembic wants to discontinue and stop marketing the above said "Products" after a period of six months from the date of this notice.

After discontinuation of above medicines, the same may not be available in the market. Therefore, patients using such medicines may consult their doctor for prescribing alternate medicine. All the Doctors / Medical Personals may also make note of this.

Alembic Pharmaceuticals Limited
 Place : Vadodara Name of Authorised Person: Saibal Mukherjee
 Date : 15th April, 2026 Resident Director

Dilip Buildcon Limited
 (CIN: L45201MP2006PLC018689)
 Regd. Office: Plot No. 5, Inside Govind Narayan Singh Gate, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal (M.P.)- 462016
 Email Id: db@dilipbuildcon.co.in, website: www.dilipbuildcon.com
 Tel. No. 0755-4029999, Fax No. 0755-4029998

CORRIGENDUM TO THE POSTAL BALLOT NOTICE DATED APRIL 01, 2026

Dilip Buildcon Limited ("Company") has issued a Postal Ballot Notice dated April 01, 2026 ("Postal Ballot Notice") to the Shareholders ("Members") of the Company inter alia to consider and pass the resolutions listed in the Postal Ballot Notice through remote electronic voting process ("remote voting/ e-voting").

The Postal Ballot Notice has already been dispatched to the Members of the Company on April 01, 2026. The Company has issued the Corrigendum to the Postal Ballot Notice ("Corrigendum") on April 13, 2026, in relation to the Explanatory Statement, forming part of Item No. 13 of the aforesaid Postal Ballot Notice.

This Corrigendum form an integral part of the Postal Ballot Notice. Members and other stakeholders are requested to read the Postal Ballot Notice in conjunction with this corrigendum. All other contents of the Postal Ballot Notice save and except as clarified, modified or supplemented by this Corrigendum, shall remain unchanged.

The Corrigendum and the Postal Ballot Notice shall be available on the Company's website at www.dilipbuildcon.com websites of the Stock Exchanges i.e. www.bseindia.com and www.nseindia.com and on the website of e-voting service provider i.e. MUFG Intime India Private Limited i.e. www.in.mpsms.mufg.com.

It may be noted that Corrigendum to the Postal Ballot Notice is being sent to all the Shareholders to whom the Postal Ballot Notice was sent. Members are requested to refer the corrigendum notice for complete information.

For Dilip Buildcon Limited
 Sd/-
Abhishek Shrivastava
 Company Secretary

Date: 13.04.2026
 Place: Bhopal

LOST & FOUND NOTICE
 I PREETI YADAV R/O C-1/4A, FIRST FLOOR, ARDEE CITY, SECTOR 52, GURUGRAM 122011, HAVE LOST MY ORIGINAL BUYER'S AGREEMENT AND ALLOTMENT LETTER ISSUED BY DLF FOR MY PROPERTY NO. K-3/79, DLF PHASE 2, GURUGRAM, HARYANA. FINDER MAY PLEASE CONTACT AT 7259291093 OR ADDRESS ABOVE.

J&K Bank
 Serving To Empower
 The Jammu and Kashmir Bank
 General Department,
 Corporate Headquarters, Srinagar,
 M. A. Road Srinagar, 190 001 J&K

Online Request for Proposal (e-RFP) For Blanket Insurance policies of Physical Assets, Bankers' Indemnity Insurance, Safe deposit locker liability and D&O Insurance Policy for Jammu & Kashmir Bank

Tender Notice along with Complete Tender document outlining the minimum requirements can be downloaded from and BIDs can be submitted on the Banks' e-Tendering Portal <https://jkbank.abcpocure.com> w.e.f. April 13, 2026 16.00 Hrs. Tender Document can also be downloaded from Bank's Official Website <https://jkb.bank.in/>. Last date for submission of Bids is May 04, 2026 17.00 Hrs.
 e-RFP Ref. No. JKB/CHQ/GD/Cyber-Insurance/2026-1701
 Dated: 13.04.2026

Registered office : Corporate Headquarters, M.A.Road, Srinagar 190001, Kashmir, India
 CIN: L6510JK19385GCO00048 ; T : +91 (0)194 2481 930-35 ; F : +91 (0)194 248 1928;
 DPK-NB-16426
 Sent Date: 13-04-2026 E : info@jkbmail.com ; W : <https://jkb.bank.in>

PUBLIC AWARENESS NOTICE
 Issued by: Mr. Anuj Goyal
 Aspire Golf Homes
 Sector-4, Greater Noida (West), Uttar Pradesh | Supreme Court Monitored Project

Mr. Anuj Goyal, son of Mr. Ramesh Goyal, A-4/4, Paschim Vihar, New Delhi-110063, hereby inform the general public, prospective home-buyers, brokers, channel partners, and investors that vide **Letter of Intent (LOI) dated 14th July 2025**, issued by the Court Receiver Shri R. Venkataramani, Senior Advocate & Attorney General of India, I have been allotted **1,233 residential units across 9 towers** of Aspire Golf Homes, Sector-4, Greater Noida (West), UP (total super area: 36,97,641 sq. ft.) under the supervision of the **Hon'ble Supreme Court of India** and have been duly authorized to market and sell the said units.

IMPORTANT: AUTHORISED PAYMENT ACCOUNT

All cheques, RTGS, NEFT, and online payments towards booking and purchase of residential units in this project must be deposited **ONLY** in the following designated Court Receiver account:

Account Title	Receiver Amp New Unit Sale of Golf Homes Phase III Account
Bank Name	UCOBANK
Branch	Supreme Court, Tilak Marg, New Delhi
Account No.	02070210004531
IFSC Code	UCBA0000207

The public is strongly warned: Do NOT deposit any amount towards booking of units in this project into any personal bank account, any other company account, or any account other than the UCO Bank account mentioned above. **Neither I (Anuj Goyal) nor India Forbes Global Properties nor Court Receiver nor NBCC shall be responsible for any loss arising from payment made into any unauthorised account.**

Further, if any person or our marketing persons/Companies are telling/demanding anyone to deposit money other than designated UCO Bank Account then we are not responsible for the same, and strict legal action will be taken against them as this project is monitored by Hon'ble Supreme Court of India and any financial misconduct or nuisance regarding payments shall be dealt with zero tolerance.

If any individual has information regarding this or is aware of any other bank accounts, kindly email us at anujgoyal1985@gmail.com.

Date : 14.04.2026
 Place: New Delhi
 Sd/-
Anuj Goyal

RIKO AUTO INDUSTRIES LIMITED
 CIN: L34300HR1983PLC023187
 Regd. & Corp. Office: 38 KM Stone, Delhi-Jaipur Highway, Gurugram - 122001, Haryana
 Tel: +91 124 2824000, Fax: +91 124 2824200, E-mail: cs@ricoauto.in,
 Website: www.ricoauto.in

NOTICE TO SHAREHOLDERS
 2nd Notice for Special Window for Transfer and Dematerialisation of Physical Shares

In continuation to our previous publication dated 13th February, 2026 and pursuant to the SEBI Circular No. HO/38/13/11(2)/2026-MIRSD-POD/1/3750/2026 dated 30th January, 2026, shareholders are hereby once again informed that a Special Window has been open for a period of one (1) year, from 5th February, 2026 to 4th February, 2027 to facilitate transfer and dematerialisation of physical securities which were sold/purchased prior to 1st April, 2019 but such transfer requests which were submitted earlier were rejected/ returned/not attended due to deficiency in the documents/process/or otherwise.

Kindly note that the securities so transferred shall be mandatorily credited only in demat mode and shall be under lock-in for a period of one year from the date of registration of transfer. Such securities shall not be transferred/lien-marked/pledged during the said lock-in period.

Further securities transferred to IEPF Authority and cases involving disputes between transferor and transferee will not be considered in this window.

Eligible Shareholders are requested to take advantage of this opportunity by furnishing the necessary documents for transfer and dematerialisation to the Company's Registrar and Transfer Agent i.e., M/s. MCS Share Transfer Agent Limited at the address mentioned below:

M/s. MCS Share Transfer Agent Limited
 Unit: Rico Auto Industries Limited
 179-180, DSI/DC Shed, 3rd Floor,
 Okhla Industrial Area, Phase I, New Delhi - 110 020.
 Phone: (011) 41406149-52 | E-mail: helpdeskdelhi@mcsregistrars.com

for Rico Auto Industries Limited
 Sd/-
Ruchika Gupta
 Company Secretary
 FCS : 6456

Date : 14th April, 2026
 Place : Gurugram

RIKO AUTO INDUSTRIES LIMITED
 CIN: L34300HR1983PLC023187
 Regd. & Corp. Office: 38 KM Stone, Delhi-Jaipur Highway, Gurugram - 122001, Haryana
 Tel: +91 124 2824000, Fax: +91 124 2824200, E-mail: cs@ricoauto.in,
 Website: www.ricoauto.in

NOTICE TO SHAREHOLDERS
 SECOND 100-DAYS CAMPAIGN - "SAKSHAM NIVESHAK"

In alignment with the initiative of Investor Education and Protection Fund Authority (IEPFA), the Company has initiated a Second 100-day campaign "Saksham Niveshak" commencing from 1st April, 2026 to 9th July, 2026 to empower Rico Auto investors by facilitating the claim of unclaimed dividends and shares, especially for dividends remaining unpaid since Financial Year 2018-19.

This initiative has been relaunched with an expanded scope to further facilitate the direct payment of unclaimed/unpaid dividends to the rightful shareholder with an emphasis on KYC, Bank Account Mandates, contact details updation and related compliance measures.

Shareholders holding shares in physical form are advised to update their KYC details i.e., bank account mandates, PAN, nomination details, email ID, mobile number and address with PIN Code, specimen signatures etc. with the Registrar and Share Transfer Agents (RTA) of the Company i.e., M/s. MCS Share Transfer Agent Limited, Unit: Rico Auto Industries Limited, 179-180 DSI/DC Shed, 3rd Floor, Okhla Industrial Area, Phase I, New Delhi - 110020, Phone: (011) 41406149-52, E-mail: helpdeskdelhi@mcsregistrars.com. The relevant forms for updation of KYC and Nomination details viz. Forms ISR-1, ISR-2, ISR-3, SH-13 and SH-14 can be downloaded from the website of RTA at <https://www.mcsregistrars.com> -> Downloads - KYC Forms or website of the Company at www.ricoauto.com/files/Form%20ISR-1-2-3-and-SH-13-14.pdf.

Further, shareholders holding shares in dematerialised form are requested to update their KYC details and other related details through their respective Depository Participants (DP) and contact the Company/RTA at above mentioned address to claim unpaid/unclaimed dividend.

Please note that, as per applicable provisions, if dividends remain unclaimed for seven consecutive years, the dividend amounts alongwith the corresponding shares are liable to be transferred to the Investor Education and Protection Fund Authority (IEPFA).

We urge all shareholders to take prompt action during the campaign period to safeguard their entitlement and ensure compliance with statutory requirements.

The Company is committed to assisting shareholders in this process. For further support, please contact the Company/RTA.

for Rico Auto Industries Limited
 Sd/-
Ruchika Gupta
 Company Secretary
 FCS : 6456

Date : 14th April, 2026
 Place : Gurugram

Market wisdom, straight from the sharpest minds in the game.

Cut through the noise every day with expert columns that decode trends before they unfold — featuring *Shankar Sharma, Andrew Holland, Nilesh Shah, Tamal Bandyopadhyay,* and more, only in Business Standard.

To book your copy, SMS reachbs to 57575 or email order@bmail.in



Business Standard
 Insight Out